

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
पिथौरागढ़।

मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-4

देहरादून: दिनांक 27 जनवरी, 2016

विषय- मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा लघु सिंचाई विभाग हेतु की गयी घोषणा संख्या: 1428/2015 के क्रियान्वयन के लिए चालू वित्तीय वर्ष में ₹6.93 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संदर्भ में वित्त विभाग-1 के शासनादेश संख्या-1444/XXVII(1)/2015 दिनांक: 14 दिसम्बर, 2015 एवं मुख्यमंत्री कार्यालय अनुभाग-4 के शासनादेश संख्या-08/XXXV-4/2016 दिनांक: 05 जनवरी, 2016 के अनुक्रम में स्वीकृत ₹20.00 करोड़ के सापेक्ष मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 16.06.2015 को जनपद पिथौरागढ़ में की गयी घोषणा संख्या: 1428/2015 (सुरिग में 900 मीटर गूल का निर्माण किया जायेगा) के क्रियान्वयन हेतु गठित आगणन की विभागीय टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत औचित्यपूर्ण धनराशि ₹6.93 लाख (रुछ: लाख तिरानब्बे हजार मात्र) पर वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए उक्त धनराशि को चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में राज्य आकस्मिकता निधि से आहरित कर निम्नांकित प्रतिबन्धों/शर्तों के अधीन आपके जिलाधिकारी, पिथौरागढ़-4217 निवर्तन पर रखते हुए व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) उक्त धनराशि कुल ₹6.93 लाख (रुछ: लाख तिरानब्बे हजार मात्र) आपके द्वारा आहरित कर शासनादेश में उल्लिखित शर्तों के अधीन अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई विभाग, प्रखण्ड पिथौरागढ़ को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।
- (2) आकस्मिकता निधि से उपर्युक्तानुसार स्वीकृत की जा रही धनराशि की प्रतिपूर्ति अनुपूरक आय-व्ययक अथवा वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में नई मांग के माध्यम से संगत योजना की मानक मद में धनराशि की व्यवस्था कराते हुए प्राप्त होने वाली धनराशि द्वारा यथासमय कर ली जायेगी।
- (3) कार्य की प्रगति की निरंतर एवं गहन समीक्षा करते हुए कार्य को निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा विलम्ब या अन्य किसी भी दशा में आगणन पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
- (4) उक्त कार्य के सम्बन्ध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक: 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रपत्र पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 अवश्य हस्ताक्षरित किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।
- (5) कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी।
- (6) कार्य पर मदवार उतना ही व्यय किया जाय जितनी मदवार धनराशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृत धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (7) स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष आहरण वास्तविक आवश्यकतानुसार किशतों में किया जायेगा।
- (8) अवमुक्त की जा रही धनराशि का उपभोग तत्काल सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र यथासमय शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा।
- (9) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या:-400/XXVII(1)/2015 दिनांक: 13अप्रैल, 2015 में इंगित शर्तों/प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (10) मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006) दिनांक: 30.05.2006 द्वारा निर्गत आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (11) आगणन गठित करते समय तथा कार्य प्रारम्भ कराने से पूर्व उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (12) व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस सम्बन्ध में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा शासन द्वारा मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (13) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाए तथा विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री ही प्रयोग में लायी जाय।
- (14) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय।
- (15) विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजायन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।



- (16) उक्तानुसार आवंटित धनराशि को तत्काल कार्यदायी संस्था/आहरण वितरण अधिकारी को अवमुक्त कर दी जाय, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हों।
- (17) स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31.03.2016 तक पूर्ण उपयोग कर कार्यों का कार्यभार वित्तीय/भौतिकी प्रगति विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। यदि स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को तत्काल शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- (18) प्रत्येक मामले में लाभ लागत अनुपात का परीक्षण/प्रमाणीकरण इस सम्बन्ध में निर्धारित मानकों एवं मान्य व्यवस्थानुसार सुनिश्चित कर लिया जायेगा तथा यह भी सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि इस दृष्टि से योजनाओं का क्रियान्वयन अलाभप्रद नहीं है।
- (19) कार्य की समयबद्धता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- (20) योजना पर शिलापट्ट/साईन बोर्ड लगाना सुनिश्चित किया जाय, जिस पर योजना का नाम, योजना की लागत तथा घोषणा से सम्बन्धित आवश्यक विवरण अंकित किया जायेगा।

2. इस संबंध में होने वाला व्यय शासनादेश संख्या-08/XXXV-4/2016 दिनांक: 05 जनवरी, 2016 के अनुक्रम में स्वीकृत ₹20.00 करोड़ प्राविधानित व्यवस्था के सापेक्ष प्रथमतः लेखाशीर्षक-8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201 समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः अनुदान संख्या-3 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 4059-लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय, 60-अन्य भवन, 800-अन्य व्यय, 02-मा0 मुख्यमंत्री की घोषणाओं आदि हेतु एकमुश्त अनुदान, 24-वृहत निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के अशा0सं0:108(P)/XXVII(5)/2016 दिनांक: 21 जनवरी, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)  
सचिव।

पृष्ठांकन संख्या:11 /XXXV-4/16/04(08-मु0घो0)2015 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड।
3. निजी सचिव, मा0मंत्री, लघु सिंचाई मंत्री, उत्तराखण्ड।
4. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. निजी सचिव, एफ0आर0डी0सी, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त कुमाऊं मण्डल नैनीताल।
7. सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
8. मुख्य अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष, लघु सिंचाई विभाग, देहरादून।
9. कोषाधिकारी, पिथौरागढ़।
10. अनुसचिव (लेखा) आहरण वित्तहरण अधिकारी, मुख्यमंत्री कार्यालय उत्तराखण्ड शासन।
11. वित्त अनुभाग-5/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड सचिवालय।
12. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, 23-लक्ष्मी रोड़, डालनवाला, देहरादून।
13. एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एम0एम0सेमवाल)  
संयुक्त सचिव।

**बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20152016**

Secretary, CM Ghoshna (S068)

आवंटन पत्र संख्या - .

अनुदान संख्या - PAC

अलोटमेंट आई डी - S1601990076

आवंटन पत्र दिनांक - 27-Jan-2016

लेखा शीर्षक - 8000-00-201-00-00 (राज्य आकस्मिकता निधि)

HOD Name - Chief Engineer Minor Irrigation (2233)

लेखा शीर्षक	4059 - लोक निर्माण कार्य पर पूंजीगत परिव्यय	60 - अन्य भवन
जिसमे	800 - अन्य व्यय	02 - सा0 मुख्यमंत्री की घोषणाओं आदि हेतु एकमुश्त अनु
समायोजन होना	00 - k	(अनुदान संख्या - 003)

मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	Plan Voted
			योग
24 - वृद्धि निर्माण कार्य	0	693000	693000
	0	693000	693000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes -

693000